118611

幸か おいまいおいない おいおいおい

おいせい かいおいかいかいかいせき

तस्यावाकीर्णत्वमाह जुहावेत्यादिना अवाकीर्यतेनीचैरवपात्यंतेशत्रवोस्मिन्तित्यवाकीर्णिमित्यर्थः वैचित्रवीर्यिणःविचित्रवीर्यएववैचित्रवीर्यःसपितृत्वेनास्यस्यतस्यैवेत्यर्थः॥२॥ प्रतापवान्राष्ट्रंजुहावेति जुहावधृतराष्ट्रस्यराष्ट्रंवैचित्रवीर्यिणः॥तपसाघोररूपेणकर्षयन्देहमात्मनः॥ २॥कोधनमहताविष्टोधमात्मावैत्रतापवान्॥ पुराहिनैमिषीयाणांसत्रेहाद श्वार्षिके॥ ३॥ वत्तीवश्वजितीतेवैपंचालानृषयोगमन्॥ तत्रेश्वरमयाचंतदक्षिणार्थमनिस्वनः ॥ ४॥ बलान्वितान्वत्सतरान्निर्व्याधीनेकविंशति॥ तानव वीद्दकोदालभ्योविभजध्वंपश्चिति॥५॥पश्चनेतानहंत्यकाभिक्षिष्येराजसत्तमं॥ एवमुकाततोराजन्ऋषीन्सर्वान्प्रतापवान्॥६॥ जगामधृतराष्ट्रस्यभ वनंत्राह्मणोत्तमः ॥ ससमीपगतोभूत्वाधृतराष्ट्रंजनेश्वरं॥ ७॥ अयाचतपशून्दालभ्यःसचैनंरुषितोत्रवीत्॥ यहच्छयामृताहृत्वागास्तदानृपसत्तमः॥ ८॥ ए तात्पशून्त्रयक्षिप्रंब्रस्वंधोयदीच्छसि॥ ऋषिस्तयावचःश्रुत्वाचितयामासधर्मवित् ॥ ९॥ अहोबतनृशंसंवैवाक्यमुक्तोस्मिसंसदि॥ चितयित्वामुहूर्तेनरोषा विष्टोहिजोत्तमः॥ १०॥ मतिचकेविनाशायधृतराष्ट्रस्यभूपतेः॥ सतूत्कृत्यमृतानांवैमांसानिमुनिसत्तमः॥ ११॥ जुहावधृतराष्ट्रस्यराष्ट्रंनरपतेःपुरा॥ अवा कीर्णेसरस्वत्यास्तीर्थेप्रज्वाल्यपावकं॥ १२॥वकोदालभ्योमहाराजनियमंपरमंस्थितः ॥ सतैरेवजुहावास्यराष्ट्रमांसैर्महातपाः॥ १३॥ तस्मिस्नुविधिवत्सचे संप्रवत्तेसुदारुणे॥ अक्षीयतततोराष्ट्रंधृतराष्ट्रस्यपाथिव॥ १४॥ ततःप्रक्षीयमाणंतद्राज्यंतस्यमहोपतेः॥ छिचमानंयथानंतंवनंपरशुनाविभो॥ १५॥ बभू वापद्गतंतच्यवकीर्णमचेतनं॥ दृष्ट्वातथावकीर्णतुराष्ट्रंसमनुजाधिपः॥ १६॥ वभूवदुर्मनाराजंश्चितयामासचप्रभुः॥ मोक्षार्थमकरोघलंत्राह्मणैःसहितःपु रा॥ १७॥ नचश्रेयोध्यगच्छत्तुक्षीयतेराष्ट्रमेवच॥ यदासपार्थिवःखिन्नस्तेचित्रास्तदानघ॥१८॥ यदाचापिनशक्रोतिराष्ट्रमोक्षयितुंचप॥ अयवैत्राश्चिकां स्तत्रपत्रच्छजनमेजय॥१९॥ततोवैत्राक्षिकाःत्राहुःपश्चंवित्रकतस्त्वया॥मांसैरभिजुहोतीतितवराष्ट्रंमुनिर्वकः॥२०॥ तेनतेहूयमानस्यराष्ट्रस्यास्यक्षयो महान् ॥ तस्यैतत्तपसःकर्मयेनतेघलयोमहान्॥२१॥ अपांकुंजेसरस्वत्यास्तंत्रसादयपार्थिव॥ सरस्वतींततोगत्वासराजावकमववीत्॥२२॥ निपत्यशिरसा भूमौप्रांजलिर्भरतर्षभ ॥ प्रसादयेत्वांभगवन्नपराधंक्षमस्वमे ॥२३॥ममदीनस्यलुब्यस्यमौर्स्यणहतचेतसः॥त्वंगतिस्वंचमेनाथप्रसादंकर्नुमईसि॥२४॥ संबंधःसत्रेटत्तेनिटत्तेसतीत्युत्तरेणसंबंधः ॥ ३॥ पंचालान्विश्वजितोयज्ञस्यांतेअगमन् पंचालंराजानंययुरित्यर्थः ईश्वरंपंचालराजं ॥ ४ ॥ ५ ॥ एतान्पंचालराजदत्तान् स्वयंतत्रभागंनग्रहीतवान्द्रत्पर्यः ॥ ६ ॥ ७ ॥ यदच्छयेति गाःवलीवर्दान्थेनृश्व ॥ ८ ॥ ९० ॥ ९२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥ ११ ॥

श.ग.पर्वे

8

11.3 & 11